

महिला सशक्तिकरण से संस्कृति का निरंतर उत्थान: मुख्यमंत्री

आर्थिक विकास में मध्यप्रदेश देश का अग्रणी राज्य बना, शहडोल को मिली विकास कार्यों की बड़ी सौगात

R शहडोल | संवाददाता
राष्ट्रबाण | rashtabaan.in

सच्चा वादा-पक्का काम राज्य सरकार की पहचान है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में प्रदेश सरकार जनजातीय समाज सहित सभी वर्गों के सर्वांगीण विकास के लिए प्रतिबद्ध है। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने धनपुरी नगर परिषद में अत्याधुनिक वाटर पार्क, स्विमिंग पूल एवं क्लब हाउस के लोकार्पण समारोह को संबोधित करते हुए कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि महिलाओं के सशक्तिकरण से ही समाज और संस्कृति का उत्थान संभव है। सरकार द्वारा लाडली बहना योजना, लखपति दीदी, ड्रेन दीदी जैसी योजनाओं के माध्यम से मातृशक्ति को आत्मनिर्भर बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि आने वाला समय माताओं-बहनों का है और हमारी सनातन संस्कृति उन्हीं के आधार पर पुष्पित-पल्लवित होती रही है। मुख्यमंत्री ने माता शबरी जयंती की शुभकामनाएं देते हुए सामाजिक समरसता और जातिगत भेदभाव को समाप्त करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश नदियों का मायका है, जहां 250 से अधिक नदियां प्रवाहित होती हैं। वर्ष 2002 से 2023 के बीच प्रदेश में सिंचाई रकबा 7.5 लाख हेक्टेयर से बढ़कर 44 लाख हेक्टेयर हो गया है।

सोन नदी माइक्रो सिंचाई परियोजना की घोषणा

मुख्यमंत्री ने शहडोल सिंचाई कॉम्प्लेक्स की घोषणा करते हुए बताया कि सोन नदी पर चार माइक्रो सिंचाई परियोजनाएं प्रस्तावित हैं। लगभग 2300 करोड़ रुपये की लागत से 50 हजार हेक्टेयर अतिरिक्त सिंचाई क्षमता विकसित होगी, जिससे 122 गांव लाभान्वित होंगे।



कांग्रेसियों ने मुख्यमंत्री के काफिले को दिखाया काला झंडा

बुढार ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष अंकित सिंह के नेतृत्व में कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के काफिले को काला झंडा दिखाकर जोरदार विरोध दर्ज कराया। यह विरोध मुख्यमंत्री के धनपुरी आगमन के दौरान किया गया। कांग्रेस ने प्रदेश सरकार की नीतियों, बढ़ती महंगाई, बेरोजगारी और कानून-व्यवस्था के मुद्दों को लेकर यह प्रदर्शन किया। मुख्यमंत्री के कार्यक्रम से पहले ही पुलिस प्रशासन पूरी तरह सतर्क था। संभावित विरोध को देखते हुए पुलिस ने कांग्रेस जिलाध्यक्ष सहित कई पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। इसके बावजूद कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने रणनीति के तहत अलग-अलग समूहों में पहुंचकर अपने मंसूबों को अंजाम दिया और मुख्यमंत्री के काफिले के सामने काला झंडा दिखाने में सफल रहे। इस दौरान कुछ समय के लिए क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। पुलिस ने तत्काल मोर्चा संभालते हुए प्रदर्शन कर रहे कार्यकर्ताओं को हटाया और स्थिति को नियंत्रित किया। कांग्रेस नेताओं का कहना है कि लोकतंत्र में विरोध उनका अधिकार है और सरकार जनता की आवाज को दबाने का प्रयास कर रही है।



रेलवे स्टेशन मार्ग निर्माण कार्य शुरू, पार्षद की मौजूदगी में हुआ शुभारंभ

गुणवत्ता पर विशेष जोर, चलित लैब से सड़क निर्माण सामग्री की हुई जांच

नगर पालिका परिषद शहडोल क्षेत्र अंतर्गत शहर के प्रमुख शेर चौक से रेलवे स्टेशन तक जाने वाले मुख्य मार्ग के निर्माण कार्य का शुभारंभ कर दिया गया है। लंबे समय से जर्जर अवस्था में पड़ी इस सड़क के निर्माण शुरू होने से आम नागरिकों, व्यापारियों एवं रेलवे यात्रियों को बड़ी राहत मिलने की उम्मीद है। निर्माण कार्य का शुभारंभ स्थानीय पार्षद विकास तिवारी की मौजूदगी में किया गया, जिन्होंने स्वयं मौके पर उपस्थित रहकर कार्य प्रारंभ कराया। इस दौरान पार्षद विकास तिवारी ने निर्माण एजेंसी एवं नगर पालिका के अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि सड़क निर्माण कार्य में गुणवत्ता से किसी भी प्रकार का समझौता न किया जाए। उन्होंने कहा कि यह मार्ग शहर का अत्यंत व्यस्त और महत्वपूर्ण मार्ग है, जहां से प्रतिदिन हजारों नागरिक, स्कूली बच्चे, व्यापारी और यात्री आवागमन करते हैं। ऐसे में सड़क की मजबूती और टिकाऊपन प्राथमिकता में होना चाहिए।

मौके पर पहुंचा नया अमला

सड़क निर्माण कार्य के दौरान गुणवत्ता की जांच के लिए नगर पालिका का अमला भी मौके पर मौजूद रहा। नगर पालिका के इंजीनियर द्वारा चलित लैब (मोबाइल टेस्टिंग वैन) के माध्यम से सड़क निर्माण में उपयोग की जा



स्थानीय लोगों ने जताई खुशी

सड़क निर्माण कार्य शुरू होने पर स्थानीय नागरिकों ने खुशी जाहिर की। उनका कहना है कि बारिश के मौसम में इस मार्ग पर जलभराव और गड्ढों के कारण आवागमन में भारी परेशानी होती थी, जिससे दुर्घटनाओं की आशंका बनी रहती थी। नई सड़क बनने से यातायात सुचारु होगा और लोगों को सुरक्षित आवागमन की सुविधा मिलेगी। नगर पालिका परिषद के अधिकारियों ने बताया कि निर्धारित समय-सीमा में सड़क निर्माण कार्य पूर्ण कर लिया जाएगा। साथ ही भविष्य में भी इसी प्रकार पारदर्शिता और गुणवत्ता के साथ विकास कार्य कराए जाते रहेंगे। यह परियोजना शहडोल शहर के आधारभूत ढांचे को सुदृढ़ करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

रही सामग्री की जांच की गई। इस दौरान गिट्टी, डमर सहित अन्य निर्माण सामग्री के नमूने लेकर परीक्षण किया गया, ताकि कार्य मानकों के अनुरूप सुनिश्चित किया जा सके। इंजीनियर ने बताया कि सड़क निर्माण की प्रत्येक परत की

नियमित जांच की जाएगी और यदि कहीं भी मानक से कम गुणवत्ता पाई जाती है तो तत्काल सुधारात्मक कार्रवाई की जाएगी। प्रारंभिक परीक्षण में निर्माण सामग्री गुणवत्ता मानकों पर खरी पाई गई, जिससे नगर पालिका प्रशासन ने संतोष व्यक्त किया।

गंधिया ग्राम बनेगा धार्मिक आस्था व पर्यटन का केंद्र, 2300 करोड़ की सिंचाई परियोजनाओं से किसान होंगे समृद्ध

R शहडोल | संवाददाता
राष्ट्रबाण | rashtabaan.in

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने जिले के ब्यौहारी विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत ग्राम गंधिया में माता शबरी की प्रतिमा का अनावरण करते हुए जयसिंहनगर और ब्यौहारी क्षेत्र को 767 करोड़ रुपये की विकास योजनाओं की सौगात दी। विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश सरकार विरासत से विकास की राह प्रशस्त कर रही है और माता शबरी की भक्ति के गौरवशाली इतिहास को आगे बढ़ाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि विंध्य क्षेत्र की यह पावन भूमि भगवान श्रीराम के चरणों से पवित्र है। चित्रकूट के साथ-साथ गंधिया ग्राम में भी भगवान राम ने माता शबरी को दर्शन दिए थे। हमारी सरकार सनातन परंपरा और सांस्कृतिक विरासत का सम्मान करती है। आयोध्या, सोमनाथ और उज्जैन हमारी सनातन पहचान हैं।

सिंचाई परियोजनाओं से क्षेत्र का किसान होगा समृद्ध

मुख्यमंत्री ने बताया कि बुढार, गोहपारू और जयसिंहनगर माइक्रो सिंचाई परियोजनाओं के लिए 2300 करोड़ रुपये स्वीकृत किए गए हैं। इन परियोजनाओं से शहडोल अंचल के किसानों को सिंचाई सुविधा मिलेगी और कृषि आधारित अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी। जयसिंहनगर बाईपास, औद्योगिक केंद्र और अस्पताल उन्नयन की घोषणा मुख्यमंत्री ने रीवा-शहडोल मार्ग पर जयसिंहनगर में बाईपास निर्माण, ब्यौहारी-जयसिंहनगर के बीच औद्योगिक विकास केंद्र की स्थापना तथा बुडवा स्वास्थ्य केंद्र को 30 बिस्तर अस्पताल में उन्नयन करने की घोषणा की। औद्योगिक केंद्र से हजारों युवाओं को रोजगार मिलने की संभावना है।

गंधिया और सीतामढ़ी बनेंगे धार्मिक व पर्यटन केंद्र

मुख्यमंत्री ने गंधिया ग्राम और सीतामढ़ी को धार्मिक, आस्था एवं पर्यटन केंद्र के रूप में विकसित करने की घोषणा की। साथ ही संजय टाइगर रिजर्व में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए ब्यौहारी की ओर नया प्रवेश द्वार खोलने की बात कही। आमडीह उप तहसील को तहसील में उन्नयन का भी आश्वासन दिया गया।



मजदूरों की जान से खिलवाड़, सड़कों पर खतरा पिकअप वाहनों से ढोए जा रहे श्रमिक, बड़े हादसे की आशंका, आदेशों के बाद भी कार्रवाई नदारद

R शहडोल | संवाददाता
राष्ट्रबाण | rashtabaan.in

शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में नियमों को ताक पर रखकर मजदूरों को पिकअप वाहनों में भरकर ढोने का सिलसिला खुलेआम जारी है। यह गंभीर लापरवाही किसी भी समय बड़े हादसे का कारण बन सकती है, लेकिन परिवहन विभाग और यातायात पुलिस मानो आंख मूंदे बैठे हैं। स्थिति यह है कि माननीयों के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद अब तक इस अवैध गतिविधि पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो पाई है।

वाहनों में दूंस-दूंस कर भरे जा रहे मजदूर

सुबह और शाम के समय नगर की मुख्य सड़कों, ग्रामीण इलाकों और निर्माण स्थलों की ओर जाने वाले मार्गों पर पिकअप वाहनों में दूंस-दूंस कर मजदूरों को ले जाया जा रहा है। इन वाहनों में न तो बैठने की उचित व्यवस्था होती है और न ही किसी प्रकार के सुरक्षा इंतजाम। कई बार मजदूर वाहन के किनारों पर लटककर या ऊपर बैठकर सफर करने को मजबूर होते हैं, जिससे उनकी जान हर पल जोखिम में रहती है।

पहले भी हो चुके हैं हादसे

स्थानीय लोगों का कहना है कि इस तरह की लापरवाही पहले भी कई दुर्घटनाओं को जन्म दे चुकी है। इसके



बैठकों का भी नहीं दिखा असर

जानकारों की माने तो कुछ समय पूर्व जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों की बैठकों में इस मुद्दे पर गंभीर चिंता व्यक्त की गई थी। मजदूरों को लाने-ले जाने के लिए केवल पंजीकृत यात्री वाहनों के उपयोग के निर्देश भी दिए गए थे लेकिन जमीनी स्तर पर हालात जस के तस बने हुए हैं। इससे विभागीय कार्यप्रणाली और निगरानी व्यवस्था पर सवाल खड़े हो रहे हैं।

जोखिम उठाने को मजबूर मजदूर

मजदूरों का कहना है कि उनके पास कोई विकल्प नहीं होता। समय पर काम पर पहुंचने का दबाव और वैकल्पिक परिवहन साधनों की कमी के कारण वे मजबूरी में अपनी जान जोखिम में डालकर सफर करते हैं। जानकारों का मानना है कि यदि समय रहते सख्त कदम नहीं उठाए गए तो कोई बड़ी दुर्घटना प्रशासन की निष्क्रियता को उजागर कर सकती है।

कागजी आदेशों से आगे बढ़े विभाग

अब आवश्यकता है कि परिवहन और यातायात विभाग केवल कागजी आदेशों तक सीमित न रहे बल्कि सड़कों पर उतरकर नियमित जांच, चालान और वाहनों की जब्ती जैसी प्रभावी कार्रवाई करें। साथ ही मजदूरों की सुरक्षित आवाजाही के लिए वैकल्पिक परिवहन व्यवस्था सुनिश्चित की जाए ताकि विकास की दौड़ में श्रमिकों की जान की कीमत न चुकानी पड़े।

बावजूद न तो वाहन चालकों पर सख्ती बरती जा रही है और न ही संबंधित ठेकेदारों के खिलाफ कोई प्रभावी कार्रवाई हो रही है। नियमों के अनुसार मालवाहक वाहनों में सवारी ढोना पूरी तरह प्रतिबंधित है, फिर भी यह अवैध गतिविधि रोजमर्रा का दृश्य बन चुकी है।

मुख्यमंत्री ने जयसिंहनगर-ब्यौहारी को दी 767 करोड़ की विकास सौगातें



जनजातीय संस्कृति का सम्मान, कन्या पूजन कर दिया संदेश

समारोह में मुख्यमंत्री ने कन्या पूजन कर बैठियों का सम्मान किया और विभिन्न योजनाओं के हितग्राहियों को हितलाभ वितरित किए। उन्होंने आदिवासी वीरों और शहीदों के योगदान को नमन करते हुए कहा कि उनके बलिदान को संदेव स्मरण किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने सीतामढ़ी मंदिर में भगवान श्रीराम के दर्शन कर पूजा-अर्चना की। समारोह स्थल पर पारंपरिक आदिवासी शैला एवं करमा नृत्य से मुख्यमंत्री का भव्य स्वागत किया गया।

यह रहे उपस्थित

कार्यक्रम में सांसद सीधी डॉ. राजेश मिश्रा, विधायक जयसिंहनगर श्रीमती मनीषा सिंह, विधायक ब्यौहारी शरद जुगलाल कोल सहित जनप्रतिनिधियों ने क्षेत्रीय विकास से जुड़ी मांगें रखीं। बड़ी संख्या में आमजन, प्रशासनिक अधिकारी और जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे।

महिला सशक्तिकरण और किसानों के

कल्याण पर सरकार का फोकस

मुख्यमंत्री ने कहा कि लाडली बहना योजना के तहत

महिलाओं को प्रतिमाह 1500 रुपये दिए जा रहे हैं। किसानों की आय दोगुनी करने के लिए केंद्र व राज्य सरकार मिलकर कार्य कर रही हैं। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि और सिंचाई विस्तार से ग्रामीण अर्थव्यवस्था सशक्त हो रही है।

